पहले दीवार फिर बनायें भवन के कालम

● आईआईटी में भूकम्परोधी भवन पर कार्यशाला

कानपुर, 6 जुलाई। भूकम्परोधी भवनों के निर्माण में यदि थोड़ी सी तकनीक का इस्तेमाल कर लिया जाये तो मकान मजबूत और टिकाऊ होगा। पहले दीवार बनायें और फिर कालम का निर्माण करें तो भवन भूकम्परोधी बन जायेगा। पहले की तकनीक में दीवार पहले बनायी जाती थी और कालम बाद में बनाये जाते थे। यह विचार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने व्यक्त किये। इस कार्यशाला में १७ स्कूलों के ५६ प्रतिनिधियों ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. आर.के. थरेजा ने किया। इस मौके पर प्रो. थरेजा ने कहा कि साधारण मकानों को मजबूती देने के लिए यदि थोड़ी सी तकनीक का प्रयोग कर लिया जाये तो भवनों का निर्माण भूकम्परोधी किया जा सकता है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के मुखिया प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि पहले सरिया को नब्बे डिग्री पर मोड़ा जाता था अब १२० डिग्री पर मोड़ेंगे तो उसका परिणाम और अच्छा मिलेगा। प्रो. नीरा ने भी जानकारी दी।